# बड़ी आबादी की समस्याओं का समाधान करने वाला हो स्टार्टअप

**पटना (एसएनबी)।** चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) ने अपने नेतृत्व व्याख्यान श्रृंखला में कुमार आयुषकांत को आमंत्रित किया। कुमार आयुषकांत वर्तमान में विप्रो एंटरप्राइजेज में समूह मुख्य निवेश अधिकारी के रूप में जुड़े हुए हैं।

**■ सीआईएमपी में कुमार आयुषकांत का व्याख्यान**

स्टार्ट-अप इकोसिस्टम के बारे में बात करते हुए श्री कुमार ने स्टार्ट-अप के रूप में सफल होने के लिए नए विचार विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि स्टार्ट-अप की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि क्या यह विचार वास्तव में आवादी के बड़े हिस्से के सामने आने वाली बड़ी समस्या को हल करने वाला है। व्यवसाय को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए साउंड बिजनेस मॉडल की आवश्यकता होती है। हालांकि वर्तमान में यह क्षेत्र बाजार में सुधार का सामना कर रहा है लेकिन इसमें उज्ज्वल भविष्य है।

इस अवसर पर डॉ. रंजीत तिवारी, प्रधान पीजीपी एवं डॉ. राजेश कुमार सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन डॉ. रंजीत तिवारी, प्रमुख पीजीपी, सीआईएमपी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

उद्यमी के लिए पेटेंट, उत्पाद पेटेंट, प्रक्रिया पेटेंट और पेटेंट प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में जागरूक होना कितना महत्वपूर्ण है। नवोदित उद्यमियों के लिए कॉपीराइट, भौगोलिक संकेतकों की भूमिका की पहलू पर भी उन्होंने प्रकाश डाला।

प्रो. सिंह ने जोर देकर कहा कि नवाचार ऐसा होना चाहिए जो समस्या का समाधान दे और विभिन्न हितधारकों के लिए उपयोगी हों। उन्होंने यह भी कहा कि इनोवेशन, आईपीआर और स्टार्ट अप प्रमुख घटक हैं जिन पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में चर्चा की गई है। इंस्टीट्यूशन इनोवेशन सेल, सीयूएसबी के अध्यक्ष प्रो. वेंकटेश सिंह ने भी इस तरह के इम्पैक्ट लेक्चर सीरीज को प्रायोजित करने के लिए शिक्षा नवाचार सेल और एआईसीटीई मंत्रालय का आभार जताया। मौके पर समन्वयक डॉ. बुद्धेंद्र कुमार सिंह, डॉ. प्रफुल कुमार सिंह, डॉ. लखविंदर सिंह, डॉ. अमिय प्रियम, डॉ. फिरदौस फातिमा रिजवी, रेणु, डॉ. दिग्विजय और डॉ. पावास भी उपस्थित थे। धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. फिरदौस फातिमा रिजवी ने दिया।

Rashtriya Sahara ! Page.No-05
Dated:28-07-2022

# स्टार्ट-अप में सफल होने के लिए नए विचार जरूरी

पटना | चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना ने नेतृत्व व्याख्यान शृंखला के दौरान बुधवार को कुमार आयुषकांत को बुलाया गया। विप्रो एंटरप्राइजेज में समूह मुख्य निवेश अधिकारी के रूप में कार्यरत कुमार आयुषकांत ने स्टार्ट-अप इकोसिस्टम के बारे में बात करते हुए कुमार ने स्टार्ट-अप के रूप में सफल होने के लिए नए विचार विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एक स्टार्ट-अप की सफलता इस बात पर निर्भर करती है, कि क्या यह विचार वास्तव में बड़ी आबादी की समस्या को हल करने वाला है।

Dainik Bhaskar ! Page.No-02 ! Dated:28-07-2022

# स्टार्ट-अप के रूप में सफल होने के लिए 'नये विचार' विकसित करने की आवश्यकता

**पटना।** चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) ने अपने नेतृत्व व्याख्यान श्रृंखला कार्यक्रम में कुमार आयुषकांत को आमंत्रित किया, जो वर्तमान में विप्रो एंटरप्राइजेज में समूह मुख्य निवेश अधिकारी के रूप में जुड़े हुए हैं। स्टार्ट-अप इकोसिस्टम के बारे में बात करते हुए, श्री कुमार ने स्टार्ट-अप के रूप में सफल होने के लिए 'नए विचार' विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस बिंदु को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि एक स्टार्ट-अप की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि क्या यह विचार वास्तव में आबादी के एक बड़े हिस्से के सामने आने वाली एक बड़ी समस्या को हल करने वाला है। उन्होंने यह भी कहा कि व्यवसाय को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए एक 'साउंड बिजनेस मॉडल' की आवश्यकता होती है। वर्तमान स्थिति के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि हालांकि वर्तमान में यह क्षेत्र बाजार में सुधार का सामना कर रहा है, लेकिन इसमें एक उज्ज्वल भविष्य है। इस अवसर पर डॉ. रंजीत तिवारी, प्रधान पी.जी.पी. एवं डॉ. राजेश कुमार सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन डॉ. रंजीत तिवारी, प्रमुख पीजीपी, सीआईएमपी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

AAJ ! Page.No-08 !
Dated:28-07-2022

# स्टार्ट अप इको सिस्टम आवश्यक

**PATNA (27July):** चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) ने अपने लीडरशिप लेक्चर सीरीज के अंतर्गत अगले कार्यक्रम में विप्रो एंटरप्राइजेज में समूह मुख्य निवेश अधिकारी कुमार आयुषकांत को आमंत्रित किया. स्टार्ट-अप के रूप में सफल होने के लिए 'नए विचार' विकसित करने की आवश्यकता है. स्टार्ट-अप की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि क्या यह विचार वास्तव में बड़ी आबादी की समस्या को हल करने वाला है.

I-Next ! Page.No-02
Dated:28-07-2022